पश्चिमी घाट: तितली विविधता में केरल भारत में शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **'ENTOMON'** (असोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ एंटोमोलॉजी द्वारा प्रकाशित एक ओपन-एक्सेस जर्नल) में प्रकाशित एक शोध पत्र (monograph) के अनुसार, **केरल** पश्चिमी घाट जैव विविधता हॉटस्पॉट में तितली विविधता के मामले में भारत का शीर्ष राज्य बनकर उभरा है।

अध्ययन के मुख्य बिंदु: केरल की तितली समृद्धि

- **प्रजातियों की संख्या:** केरल में तितलियों की **328 प्रजातियां** पाई जाती हैं, जिनमें से **41 प्रजातियां** केवल पश्चिमी घाट के लिए **स्थानिक (Endemic)** हैं।
- **पश्चिमी घाट का केंद्र:** संपूर्ण पश्चिमी घाट में तितलियों की कुल 337 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिसका अर्थ है कि केरल अकेले इस क्षेत्र की लगभग सभी प्रजातियों का आश्रय स्थल है।
- **प्रवासन गलियारा (Migration Corridor):** केरल मौसमी तितली प्रवासन के लिए एक प्रमुख गलियारे के रूप में कार्य करता है। यहाँ **36 प्रवासी प्रजातियों** का दस्तावेजीकरण किया गया है।

केरल में तितली परिवार (Butterfly Families)

केरल की तितलियाँ छह मुख्य परिवारों में विभाजित हैं:

1. **Nymphalidae:** 97 प्रजातियां
2. **Lycaenidae:** 96 प्रजातियां
3. **Hesperiidae:** 82 प्रजातियां
4. **Papilionidae, Pieridae, Riodinidae:** शेष अन्य प्रजातियां

IUCN रेड लिस्ट और कानूनी संरक्षण

- **IUCN स्थिति:** 22 प्रजातियां 'IUCN रेड लिस्ट' में सूचीबद्ध हैं। इनमें से अधिकांश **'कम चिंताजनक' (Least Concern)** श्रेणी में हैं, जबकि 2 प्रजातियां **'संकट के करीब' (Near Threatened)** मानी गई हैं।
- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** केरल की 70 प्रजातियों को इस अधिनियम के तहत कानूनी सुरक्षा प्राप्त है। इनमें से **4 प्रजातियां अनुसूची-I (Schedule I)** में शामिल हैं, जो संरक्षण का उच्चतम स्तर है।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
www.resultmitra.com
9235313184, 9235440806

'लार्वा होस्ट प्लांट' का दस्तावेजीकरण

इस अध्ययन की एक बड़ी उपलब्धि लगभग **800 पौधों की प्रजातियों** पर तितलियों के भोजन (feeding records) का रिकॉर्ड तैयार करना है:

- इसमें **1,800 से अधिक फीडिंग रिकॉर्ड** शामिल हैं, जिनमें 350 नए क्षेत्र-अवलोकन (field observations) हैं।
- यह भारत में किसी विशिष्ट क्षेत्र के लिए तैयार किया गया सबसे बड़ा संकलन है, जो भविष्य की **संरक्षण योजनाओं (Conservation Planning)** के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अतिरिक्त जानकारी (UPSC के लिए महत्वपूर्ण)

- **अरलम तितली अभयारण्य (Aralam Butterfly Sanctuary):** जून 2025 में, केरल के कन्नूर स्थित अरलम वन्यजीव अभयारण्य को भारत का **पहला तितली-विशिष्ट अभयारण्य** घोषित किया गया है। यह स्थान केरल की तितली विविधता का 80% हिस्सा संजोए हुए है।

निष्कर्ष: केरल की यह समृद्ध विविधता न केवल पश्चिमी घाट के पारिस्थितिक महत्व को दर्शाती है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दौर में 'संकेतक प्रजातियों' (Indicator species) के रूप में तितलियों के संरक्षण की आवश्यकता पर भी बल देती है।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. भारत के किस राज्य में तितली की विविधता सबसे अधिक है?
   A) कर्नाटक
   B) केरल
   C) महाराष्ट्र
   D) तमिलनाडु

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

2. केरल में कितनी तितली की प्रजातियाँ पश्चिमी घाटों के लिए स्थानीय (एंडेमिक) हैं?
   A) 28
   B) 41
   C) 36
   D) 22

3. केरल में कौन-से तितली परिवार सबसे अधिक प्रजातियों वाले हैं?
   A) पापिलियोनिडी (Papilionidae), पिएरिडी (Pieridae), रियोडिनिडी (Riodinidae)
   B) निम्फालिडी (Nymphalidae), लायसिनिडी (Lycaenidae), हेस्पेरिडी (Hesperiidae)
   C) लायसिनिडी (Lycaenidae), हेस्पेरिडी (Hesperiidae), पिएरिडी (Pieridae)
   D) हेस्पेरिडी (Hesperiidae), पापिलियोनिडी (Papilionidae), रियोडिनिडी (Riodinidae)

4. वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत, अनुसूची I प्रदान करती है:
   A) मध्यम संरक्षण
   B) उच्चतम संरक्षण
   C) केवल स्तनधारियों के लिए संरक्षण
   D) कोई संरक्षण नहीं

5. सही/गलत: केरल प्रवासी तितलियों के लिए एक प्रमुख मार्ग (corridor) के रूप में कार्य करता है।
   सही

IAS PCS Institute

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806